रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही ऊर्जा के स्रोतों को सतत् विकास की ओर केंद्रित करना होगा, जिससे ऊर्जा का उपयोग संतुलित और नियंत्रित तरीके से किया जा सके।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करता हूं कि कृपया इस विषय पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देते हुए आवश्यक कदम उठाएं, ताकि हम न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए, बल्कि आने वाली पीढियों के लिए भी एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण का निर्माण कर सकें, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Dinesh Sharma: Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), and Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra).

REGARDING CONCERNS OF FARMERS

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान) : सर, धरती का भगवान अन्नदाता है। उसके ऊपर लाठियां चल रही हैं, उससे जो वादा न्यूनतम समर्थन मूल्य का किया गया था, वह पूरा नहीं हुआ। उससे जो देने के लिए कहा गया था, कुछ नहीं किया गया। यह सरकार किसानों की [£] है ।

MR. CHAIRMAN: [£] word is unparliamentary. It is expunged.

श्री प्रमोद तिवारी : ठीक है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य दें। आज हमारी आवाज़ को तो ऊपर से संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोग भी बल दे रहे हैं। हम आपको धन्यवाद दे रहे हैं कि आपने हमारी आवाज़ को उठाया है, इसके लिए हम कृतज्ञता अर्पित करते हैं। आप इस सरकार को निर्देश दीजिए कि जो वायदे किए थे, उन्हें पूरा करे, खास तौर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हम इनसे जवाब चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR.CHAIRMAN: Dr. John Brittas associated himself with the submission made by Shri Pramod Tiwari. Dr. Ashok Kumar Mittal; Need for banking sector reforms in India. ...(*Interruptions*)...

[£] Expunged as ordered by the Chair.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (राजस्थान) : महोदय, आप मंत्री जी को निर्देश दीजिए कि ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: What is this? ...(*Interruptions*)... I don't want to enter into a debate. ...(*Interruptions*)... Pramod *ji*, in future, I will keep in mind that what you say is not implemented. ...(*Interruptions*)... What is this? आप सब बैठ जाइए। जयराम जी, मेरी जुबान मत खुलवाइए। प्लीज, प्लीज।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, इस पर कानून कब बनेगा?...(व्यवधान)...

MR.CHAIRMAN: I will, in future, keep this in mind that your assurance was a strategy and that is not appreciated. I allowed you on the assurance that you will conform to decorum and discipline but it is not done. ...(*Interruptions*)... You belong to a senior Party. ...(*Interruptions*)... क्या आप मेरा समर्थन कर रहे हैं? Nothing is going on record. ...(*Interruptions*)... Dr. Ashok Kumar Mittal ...(*Interruptions*)...

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, हम सदन से वॉकआउट कर रहे हैं।

(*At this stage, some hon. Members left the Chamber*)

MATTERS RAISED WITH PERMISSION- *Contd.*

Need for Banking Sector reforms in India

डा. अशोक कुमार मित्तल (पंजाब): सभापति महोदय, आज आपने मुझे सदन के समक्ष एक अत्यंत संवेदनशील विषय को उठाने का मौका दिया। यह विषय हमारे मिडिल क्लास परिवारों के एम्पावरमेंट से संबंधित है। ...(**व्यवधान**)... सर, आरबीआई के अनुसार वर्तमान देश में 16 करोड़ करंट अकाउंट्स हैं और 220 करोड़ सेविंग अकाउंट्स हैं और इन दोनों में 27 लाख करोड़ रुपये डिपोज़िट हैं। जिसमें प्रधान मंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत 53 करोड़ लोगों के अकाउंट्स भी हैं। ये सभी अकाउंट्स गरीब लोगों के, किसानों के, मजदूरों के, युवाओं के और छोटे व्यापारियों के हैं, जो हमारे देश की और देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। ...(**व्यवधान**)... इसके अलावा 27 करोड़ रुपये टर्म डिपोजिट, यानी एफडी अकाउंट्स हैं, जिसमें 125 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। यह सराहनीय है कि हमारे आम नागरिक के पास भी अकाउंट है। सर, नागरिक के बैंक अकाउंट में जो पैसा जमा होता है, उसमें जो आरबीआई की गाइडलाइन्स हैं और जो बैंकों के स्वार्थ की